

DPN 6189

Title : चक्रसमाधि CAKRASAMĀDHĪ

Run. No. 6880

Cat. No.

Micro. No.

Subject मान्त्रिक विधि
Tantric Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. / नेपालमात्रा निदेश गन गन /

Size in cms. 19.5 X 8

Folios 3

Lines (in a page) 6

newa direction partly.

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaṣaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

ॐ संपूर्ण चक्र समाधि समाप्त ॥

पत्नी जीवन्त्या दीप काल रागा श्री मूरान्ता
रासा श्री स्वस्ति श्री सार्वभौम ज्ञान्या दीप काल रागा
पत्नी जीवन्त्या दीप काल रागा श्री मूरान्ता
सुखि श्री मूरान्ता श्री मूरान्ता श्री मूरान्ता
पत्नी जीवन्त्या दीप काल रागा श्री मूरान्ता

सवित्राविना ॥ १ ॥ वाङ्मनाहता ॥ उक्तावधुद्विरुजसंववमात्मानंवाययता ॥ नदनुक
 वरगावनौ ॥ दक्षिणहस्तशुक्रावाययसर्गमउल्ल ॥ वामहस्तशुक्रावाययदुमउयौ ॥
 ओहनमहिस्वाहा ॥ इवायवत ॥ इंदुंहा ॥ इंदुंहा ॥ इंदुंहा ॥ इंदुंहा ॥ इंदुंहा ॥ इंदुंहा ॥
 घग्घवादन ॥ ओं इंस्वाहा ॥ वज्र ॥ ओं इंस्वाहा ॥ घग्घ ॥ ओं वज्रसखसगवा ॥ वज्र ॥ वज्र
 वज्रमन ॥ वज्रधर्मगायिनवज्रकर्मकुमारवा ॥ ओं वज्र ॥ इंदुंहा ॥ इंदुंहा ॥ इंदुंहा ॥ इंदुंहा ॥
 इंदुंहा ॥ इंदुंहा ॥ इंदुंहा ॥ इंदुंहा ॥ इंदुंहा ॥ इंदुंहा ॥ इंदुंहा ॥ इंदुंहा ॥ इंदुंहा ॥

[illegible]

निकात्रुयेवस्वागतेर्वयमयस्मि विनाय ॥ ओं मदनिवजिरुववजवध्वं ॥ ओं वज्रपाकान
हंखेंद्रं ॥ ओं वज्रयेजवद्रं ॥ ओं वज्रविनातद्रं ॥ ओं वज्रसवजावंगं ॥ ओं वज्र
कागतनाकद्रं ॥ इं कावजागदिष्टाकावसमीक्षयनिवसितानिह विविद्यान् हृदयकिन्व
न ॥ ओं अघघाटयश्च सर्वदृष्टावद्रं ॥ ओं कीन्वश्च सर्वयापानद्रं ॥ ओं वज्रकिन्ववज्र
ध्वो आह्वययन्नि सर्वविघ्नविनायका नां कायवाकविरुवकां किन्वयद्रं ॥ ओं वज्रम्
गवज्रकीन्वयनाकाटयश्चोदयद्रं ॥ ६६ ॥ विघ्नं वलावयन् ॥ ॥ न न ॥

